हिन्दी साहित्य

प्रथम - प्रश्न पत्र

(प्राचीन हिन्दी काव्य) अंक 75

(पेपर कोड-0103)

उद्देश्य एवं प्रस्तावना-

प्राचीन से तात्पर्य है - आधुनिक काल से पूर्व का काल । सही अर्थ में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है । इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुक्तक, रासो, फागु, चरित, सुभाषित आदि विविध । काव्यरूपों में अभिव्यंजित है । मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिष्ठापित किया जाता है ।

मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहां लोक जागरण को स्वर देने वाला है, वहीं रीतिकाल अपने लौकिक-श्रृंगारिका, परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को बेलौस अभिव्यंजित करता है । अत: भाषा, संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यत्व, काव्यरूपता, लौकिकता-पारलौकिकता, आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है ।

पाठ्य विषय -

1. कबीर (कबीर - कांतिकुमार जैन) प्रारंभिक 50 साखियाँ)
2. जायसी-संक्षिप्त पद्मावत-श्यामसुंदर दास) नागमती वियोग वर्णन
3. सूर (भ्रमर गीत सार - सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) प्रारंभिक 25 पद
4. तुलसी - ''रामचरित मानस'' के अयोध्याकाण्ड से प्रारंभिक 25 दोहे चौपाई, छंद सहित ।
5. घनानन्द (घनानन्द - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) प्रारंभिक 25 छन्द द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जावेगा - जिसमें से किन्हीं दो पर लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे -

   1. विद्यापति
   2. रहीम
   3. रसखान

अंक विभाजन-

1.	3 व्याख्याएँ	30 प्रतिशत
2.	आलोचनात्मक प्रश्न	30 प्रतिशत
3.	लघूत्तरीय प्रश्न	20 प्रतिशत
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	20 प्रतिशत

हिन्दी साहित्य

द्वितीय - प्रश्न पत्र

हिन्दी कथा साहित्य

पूर्णांक 75

(पेपर कोड-0104)

उद्देश्य एवं प्रस्तावना-

गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है । इसमें आधुनिक जीवन, अपनी विविध कवियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है । जीवन की अनुभूतियाँ, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है ।

पाठ्य विषय -

व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक उपन्यास एवं आठ कहानीकारों की एक-एक प्रतिनिधि कहानी का अध्ययन आवश्यक है ।

उपन्यास	1.	गबन	-	प्रेमचंद
कहानी	1.	प्रेमचंद	-	कफन
	2.	जयशंकर प्रसाद	-	आकाश दीप
	3.	यशपाल	-	परदा
	4.	फणीश्वरनाथ रेणु	-	ठेस
	5.	मोहन राकेश	-	मलवे का मालिक
	6.	भीष्म साहनी	-	चीफ की दावत
	7.	राजेन्द्र यादव	-	बिरादरी बाहर
	8.	रागेय राघव	-	गदल

द्रुत पाठ के लिए निम्नांकित तीन कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिनमें से किन्हीं दो पर लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जावेंगे -

1. उपेन्द्रनाथ अश्क, 2. बाल शौरि रेड्डी 3. शिवानी

अंक विभाजन -3/ व्याख्याएँ 30 प्रतिशत

2/ आलोचनात्मक प्रश्न	30 प्रतिशत
5/ लघुत्तरीय प्रश्न	20 प्रतिशत
20/ वस्तुनिष्ठ प्रश्न	20 प्रतिशत

- - - - - - - - -